

धान्यवर्धन पुं. (तत्.) अन्न उधार देने की वह रीति जिसमें मूल और ब्याज दोनों अन्न के रूप में सवाया या इयोढ़ा लिया जाता है।

धान्यवाप पुं. (तत्.) अत्यंत उपजाऊ भूमि।

धान्यबीज पुं. (तत्.) धनिरे के बीज दे. धान्यबीज।

धान्यवीर पुं. (तत्.) उरद, उड़द, माष।

धान्यशर्करा स्त्री. (तत्.) चीनी मिलाकर तैयार किया हुआ धनिरे का पानी जिससे शरीर की गरमी (पित्त) शांत होती है।

धान्यशीर्षक पुं. (तत्.) अनाज के पौधे की मंजरी या बाल।

धान्यशुंठी स्त्री. (तत्.) एक पेय औषध जो ज्वरातिसार और कफ के इलाज के लिए दिया जाता है।

धान्यशूक पुं. (तत्.) ढूँड़, अनाज की बालियों में ऊपर का नुकीला भाग।

धान्यशैल पुं. (तत्.) अनाज की बहुत बड़ी ढेरी जिसे पुराणानुसार दान करने से स्वर्ग में भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है।

धान्यसंग्रह पुं. (तत्.) अनाज का भंडार।

धान्यसार पुं. (तत्.) तंडुल, चावल।

धान्या स्त्री. (तत्.) धनिया।

धान्याक पुं. (तत्.) धनिया।

धान्याकृत पुं. (तत्.) कृषक, खेतिहर।

धान्याचल पुं. (तत्.) दे. धान्यशैल।

धान्याभ्रक पुं. (तत्.) 1. धान की सहायता से शोधा और साफ किया हुआ अभ्रक (वैद्य) 2. उस प्रकार से अभ्रक को शोधने की क्रिया।

धान्याम्ल पुं. (तत्.) काँजी (एक किस्म का पेय)।

धान्याम्लक पुं. (तत्.) धान से बनी काँजी।

धान्यारि पुं. (तत्.) चूहा, धान का शत्रु।

धान्यार्थ पुं. (तत्.) अन्न या धान रूपी संपत्ति।

धान्याशय पुं. (तत्.) अन्नशाला, अन्न-भंडार।

धान्यास्थि स्त्री. (तत्.) भूसी, धान का छिलका।

धान्योत्तम पुं. (तत्.) उत्तम प्रकार का धान, शालि, बासमती चावल।

धान्वंतर्य पुं. (तत्.) धन्वंतरि देवता के निमित्त किया जाने वाला होम या अनुष्ठान।

धान्व वि. (तत्.) 1. धन्व देश संबंधी 2. धन्व देश का 3. मरुदेश संबंधी 4. धनुष संबंधी।

धान्वान वि. (तत्.) दे. धान्व।

धाप पुं. (देश.) 1. धापने की क्रिया या भाव 2. दूरी की नाप, एक कोस का आधा या एक मील 3. उतनी दूरी जितनी प्रायः एक साँस में दौड़कर पार की जा सके जैसे- पद-धाप भर-थोड़ी दूरी पर 4. लंबा-चौड़ा मैदान 5. खेत की नाप पुं. पानी की धार स्त्री. जी भरना, तृप्ति, संतोष।

धापना अ.क्रि. (तद्.) 1. दौड़ना, तेज चलना, भागना 2. अघाना, तृप्त होना स.क्रि. संतुष्ट करना, तृप्त करना।

धाबरी स्त्री. (तत्.) कबूतरों का दरवा।

धाबा पुं. (देश.) 1. ढाबा, बासा 2. छत के ऊपर का कमरा, अटारी।

धाबाई पुं. (देश.) दूध-भाई, दो भिन्न बच्चे जो एक ही माता का दूध पीते हो।

धा-भाई पुं. (देश.) दूध-भाई, धाबाई।

धाम पुं. (तत्.) 1. वास स्थान, अधिष्ठान 2. गृह, घर 3. देवस्थान, पुण्य स्थान, तीर्थ स्थान, देवता का निवास स्थान प्रयो. बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री तथा यमुनोत्री हिमालय के चार पवित्र धामों में गिने जाते हैं 4. किरण, तेज, प्रभा 5. ज्योति 6. प्रभाव, प्रताप 7. ब्रह्मा 8. परलोक 9. स्वर्ग 10. विष्णु 11. आत्मा 12. देवताओं का एक वर्ग (महाभारत) 13. देह, शरीर 14. दशा, अवस्था 15. बागडोर, लगाम 16. जन्म 17. चारदीवारी 18. फौज, सेना 19. समूह (देश.) फालसे की जाति का मध्य व दक्षिण भारत में पाया जाने वाला एक छोटा पेड़।